दादा भेरू दादा बोल जरा भजन लिरिक्स

दादा भेरू दादा बोल जरा,
तू जयकार लगा,
दादा भेरू दादा बोंल जरा,
दिल मे ज्योत जगा,
मेवा नगर की पहाड़ियों में,
भेरू दादा का है वास,
दादा भेरू दादा बोंल जरा,
तू जयकार लगा।bd।

तर्ज – राधे राधे बोल मना।

पारस प्रभु की सेवा में,
रहते है भैरव हरपल,
काला गोरा भैरव की,
प्रभु भक्ति है ये अटल,
पारस प्रभु है वीतरागी,
भैरव देव है बलकारी,
पार्श्व प्रभु पालनहारे,
भैरव देव है चमत्कारी,
पार्श्व प्रभु है अर्न्तयामी,
भैरव देव संकट हारी,
दादा भेरू दादा बोंल जरा,
तू जयकार लगा।bd।

दुनिया तेरी दीवानी है दादा,
तेरी ही मेहरबानी दादा,
तेरी कृपा का मिला जो खजाना,
हुआ 'दिलबर' मैं तेरा दीवाना,
ये 'अनमोल' बोले दादा,
हमसब बोले दादा,
ये दुनिया सारी बोले दादा,
भेरू दादा बस दादा,
भैरव देवा करू तेरी सेवा,
आके तेरे दरबार,
इस दिल से जब भी,
निकले होगी तेरी जय जयकार,
दादा भेरू दादा बोंल जरा,
तू जयकार लगा।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दादा भेरू दादा बोल जरा,
तू जयकार लगा,
दादा भेरू दादा बोंल जरा,
दिल मे ज्योत जगा,
मेवा नगर की पहाड़ियों में,
भेरू दादा का है वास,
दादा भेरू दादा बोंल जरा,
तू जयकार लगा।bd।

गायक – अनमोल जैन ताल।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com